

पद २५७

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)

आज बन्सी बजाई घनश्याम ने ॥ध्रु.॥ जमुना तीर गये बिहारी ।
बन्सी की नाद सुनाई हो ॥१॥ वृंदावनमें कुंजगलिनमें । ब्रजको
लाज गमाई हो ॥२॥ मानिक कहे त्रिभुवनपालक । चरनन ध्यान
लगाई हो ॥३॥